हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, सोमवार 20 अप्रैल 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

बिजली विभाग का नाइट शिविर अभियान तेज, बकाया वसूली और बिजली चोरी पर सख्ती

मण्डला। मंडला सर्किल में इन दिनों अतिरिक्त मुख्य अभियंता मो. अयूब खान के नेतृत्व में बिजली विभाग द्वारा विशेष नाइट शिविर अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत विभाग की टीमें रात के समय घर-घर पहुंचकर उपभोक्ताओं से बकाया बिजली बिल की वसूली कर रही हैं। अभियान के दौरान बकाया राशि वाले डिफॉल्टर उपभोक्ताओं पर सख्त कार्रवाई भी की जा रही है। मौके पर ही बिजली कनेक्शन काटे जा रहे हैं, जिससे अन्य उपभोक्ताओं को भी समय पर बिल भुगतान का संदेश मिल रहा है। वहीं बिजली चोरी करने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ तत्काल पंचनामा तैयार कर बिलिंग की जा रही है। विभाग का कहना है कि इस अभियान से कई सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। बिजली चोरी के मामलों पर नियंत्रण मजबूत होगा, जिससे इनपुट लॉस में कमी आएगी और विभाग के राजस्व में बढ़ोतरी होगी। साथ ही ईमानदार उपभोक्ताओं को बेहतर और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। इसके अलावा, उपभोक्ताओं में समय पर बिजली बिल जमा करने को लेकर जागरूकता भी बढ़ रही है, जो भविष्य में बेहतर विद्युत व्यवस्था के लिए अहम कदम माना जा रहा है।

फुटपात पर लग रही दुकानों से की जा रही अवैध वसूली

साप्ताहिक बाजार में गरीबों का खुला शोषण

*** सफाई के नाम पर लिये जा रहे 30 रूपये, नहीं दी जा रही रसीद।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले के नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत लगने वाले साप्ताहिक बाजार में ठेकेदारों की मनमानी और अवैध वसूली का गंभीर मामला सामने आया है। रविवार को लगे साप्ताहिक बाजार के दौरान दूर-दराज ग्रामीण अंचलों से आए छोटे व्यापारी और किसान जब अपनी रोजी-रोटी चलाने के लिए पहुंचे, तो उन्हें एक बार फिर कथित ठेकेदारों की मनमानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों और व्यापारियों का आरोप है कि नगर पालिका द्वारा बाजार में दुकान लगाने के लिए निर्धारित शुल्क मात्र 20 रुपए तय किया गया है, लेकिन मौके पर मौजूद ठेकेदारों द्वारा इससे कई गुना अधिक वसूली की जा रही है। दुकानदारों से 50 रुपए से लेकर 80 रुपए तक की राशि जबरन वसूली जा रही है, और इसके साथ ही अलग-अलग नामों से अतिरिक्त शुल्क भी लिया जा रहा है।

आरोपों के अनुसार, दुकानदारों से 30 रुपए सफाई शुल्क और 50 रुपए ठेका वसूली के नाम पर राशि ली जा रही है। इस तरह एक छोटे व्यापारी से कुल मिलाकर 80 रुपए तक की वसूली की जा रही है, जबकि नियमों के अनुसार यह राशि काफी कम होनी चाहिए।

सबसे गंभीर बात यह है कि किसी भी दुकानदार को वसूली की कोई रसीद या पर्ची नहीं दी जा रही है, जिससे यह पूरा मामला और भी संदिग्ध हो जाता है। बिना रसीद के की जा रही वसूली ने पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं और आशंका जताई जा रही है कि यह पूरी राशि अवैध तरीके से एकत्र की जा रही है। ग्रामीणों ने मीडिया के सामने अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि यह समस्या लंबे समय से चली आ रही है, लेकिन अब स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि गरीब व्यापारियों के लिए बाजार लगाना भी मुश्किल हो गया है। दूर-दराज गांवों से आने वाले किसान और छोटे व्यापारी सुबह-सुबह अपने घर से सब्जी, फल और अन्य सामान लेकर बाजार पहुंचते हैं, ताकि दिनभर की मेहनत से कुछ आय अर्जित कर सकें। लेकिन बाजार पहुंचते ही उन्हें ठेकेदारों की वसूली का सामना करना पड़ता है, जिससे उनकी पूरी कमाई प्रभावित हो जाती है।

ग्रामीणों का कहना है कि अगर कोई दुकानदार निर्धारित राशि देने से इनकार करता है तो उसके साथ दबाव बनाया जाता है। आरोप है कि ठेकेदार दुकानों को हटाने की धमकी देते हैं, स्थान बदलने की बात करते हैं और कई बार सामान तक हटाने की कोशिश की जाती है। कुछ व्यापारियों ने यह भी आरोप लगाया है कि यदि कोई विरोध करता है तो उसके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है और डराया-धमकाया जाता है, जिससे छोटे व्यापारी खुलकर विरोध करने से भी डरते हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्थिति केवल आर्थिक शोषण नहीं बल्कि गरीब वर्ग के साथ अन्याय है। जो लोग पहले से ही सीमित संसाधनों के साथ अपना जीवनयापन कर रहे हैं, उनके लिए इस तरह की अतिरिक्त वसूली भारी बोझ साबित हो रही है।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि नगर पालिका द्वारा तय किए गए नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। बाजार व्यवस्था के नाम पर कोई स्पष्ट निगरानी प्रणाली नहीं दिखाई देती, जिससे ठेकेदारों को मनमानी करने का पूरा अवसर मिल रहा है। इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब नगर पालिका द्वारा शुल्क निर्धारित किया गया है, तो फिर ठेकेदारों को अतिरिक्त वसूली की अनुमति किस आधार पर दी गई है। क्या यह सब प्रशासन की जानकारी में हो रहा है या फिर यह पूरी तरह से अनियमित व्यवस्था का परिणाम है। ग्रामीणों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब इस तरह के आरोप सामने आए हों। इससे पहले भी कई बार बाजार में अवैध वसूली की शिकायतें उठ चुकी हैं, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि वे मजबूरी में यह सब सहन करते हैं क्योंकि उनके पास कोई विकल्प नहीं है। यदि वे बाजार नहीं लगाएंगे तो उनकी रोजी-रोटी प्रभावित होगी, और यदि वे विरोध करेंगे तो उन्हें बाजार से बाहर कर दिया जाएगा।

इस स्थिति ने छोटे व्यापारियों और किसानों के बीच असंतोष पैदा कर दिया है। ग्रामीणों ने साफ कहा है कि वे इस मामले की उच्च स्तरीय जांच चाहते हैं ताकि सच्चाई सामने आ सके और दोषियों पर कार्रवाई हो सके। ग्रामीणों ने यह भी मांग की है कि भविष्य में बाजार व्यवस्था को पारदर्शी बनाया जाए, सभी वसूली की रसीद अनिवार्य की जाए और किसी भी प्रकार की अतिरिक्त वसूली पर पूर्ण रोक लगाई जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो गरीब व्यापारियों का भरोसा व्यवस्था से उठ जाएगा और वे बाजार आने से भी हिचकिचाएंगे। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से अपील की है कि इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए ठेकेदारों की गतिविधियों की जांच की जाए और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाए। फिलहाल यह मामला जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग प्रशासन की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं। अब देखना यह होगा कि नगर पालिका और जिला प्रशासन इन गंभीर आरोपों पर क्या कार्यवाही करता है।

आदि उत्सवः कलेक्टर पहुंचे रामनगर, किले का किया भ्रमण

*** माँ नर्मदा तट पर आयोजन स्थल का लिया जायजा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

आगामी आदि उत्सव के आयोजन की तैयारियों का जायजा लेने कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे शनिवार को रामनगर पहुंचे। उन्होंने सर्वप्रथम रामनगर के ऐतिहासिक किले का भ्रमण कर इस पुरातात्विक धरोहर की वास्तुकला, ऐतिहासिक महत्व और वर्तमान स्थिति के संबंध में अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली। कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि रामनगर किला जिले की सांस्कृतिक पहचान है। आदि उत्सव के माध्यम से इस धरोहर को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने किले में पर्यटकों के आने की जानकारी ली और इसके संरक्षण और पर्यटकों के लिए मूलभूत सुविधाओं को बेहतर करने के निर्देश भी दिए।

माँ नर्मदा तट पर देखा आयोजन स्थल

किले के भ्रमण के बाद कलेक्टर श्री धोटे माँ नर्मदा के तट पर प्रस्तावित आदि उत्सव आयोजन स्थल पर पहुंचे। उन्होंने स्थल का बारीकी से निरीक्षण कर प्रवेश, मुख्य मार्ग और पार्किंग व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से उत्सव में शामिल होने वाले नागरिकों की संभावित संख्या, स्टॉल आवंटन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मंच और कलाकारों के ठहरने की व्यवस्था के बारे में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि आदि उत्सव जनजातीय कला, संस्कृति, व्यंजन और परंपराओं को मंच देने का बड़ा अवसर है। इस दौरान संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अंबेडकर जयंती समरसता पर्व का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड मंडला, जिला मंडला के द्वारा रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंडला में संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर जी की 135 वी जयंती के उपलक्ष्य में उनके चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ संतोष झारिया विकासखंड समन्वयक मंडला, श्रीमती प्रिया धुर्वे वरिष्ठ समाजसेवी एवं समस्त परामर्शदाता की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। संतोष झारिया विकासखंड समन्वयक के द्वारा बताया कि डॉ. भीमराव अंबेडकर जी ने समाज को निरंतर नई दिशा देने का प्रयास किया है और आज उनके प्रयास से ही भारतीय संविधान संचालित हो रहा है। उनके प्रेरणादायक वाक्य शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो का मूल मंत्र आज भी राह दिखाता है। उन्होंने सिर्फ संविधान नहीं दिया, हर व्यक्ति को सम्मान से जीने का अधिकार भी दिया है, आदि वाक्यो के माध्यम से सभी के बीच जानकारीयो को साझा किया गया है। कार्यक्रम में श्रीमती प्रिया धुर्वे वरिष्ठ समाजसेवी के द्वारा भी उनकी जन्म जयंती पर उपस्थित सभी छात्र छात्राओं को संबोधित किया गया है।

मनेरी शासकीय विद्यालय का बोर्ड परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट

*** 12वीं में 100% एवं 10वीं में 93% सफलता।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले के विकासखंड निवास अंतर्गत संचालित पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेरी का माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड परीक्षा 2026 का परिणाम अत्यंत सराहनीय रहा है। शाला प्रबंधन से प्राप्त जानकारी के अनुसार कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा, जिसमें 80 में से 77 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की। वहीं कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 93 प्रतिशत दर्ज किया गया, जिसमें 110 में से 94 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी हासिल की। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्था का नाम रोशन किया है। कक्षा 10वीं में हेमपुष्पा झरिया ने 89.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं मुस्कान गोंड, निकिता उरेती एवं सुशीला चक्रवर्ती ने 88.4 प्रतिशत अंक अर्जित कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की।

कक्षा 12वीं में राजीव चक्रवर्ती ने 81 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा वृंदा झरिया (79%), संध्या बर्मन (77.8%) एवं सानिया मरको (77.4%) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय के इस शानदार परिणाम के पीछे विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत एवं शिक्षकों का कुशल मार्गदर्शन प्रमुख कारण माना जा रहा है। परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद क्षेत्र में खुशी का माहौल है और स्थानीय लोगों ने भी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की सराहना की है। विद्यालय के प्राचार्य रवींद्र झारिया सहित समस्त शिक्षकों ने सफल छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

105 आर्यिका माँ उपशांत मति माता जी की मंडला नगर में भव्य आगवानी हुई

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

अक्षय तृतीया के पावन पर्व के अवसर पर ग्रीष्मकालीन वाचना हेतु 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की परम शिष्या नवाचार्य श्री समया सागर जी महाराज के आदेशानुसार 105 आर्यिका मां उपशांत मति जी आर्यिका माँ ऊँकार मति माता जी आर्यिका माँ परम मति माता जी आर्यिका माँ चैतन्य मति माता जी की भव्य आगवानी महाराजपुर से रपटा पुल पर से होते हुए मंडला नगर में धूमधाम से हुई। सभी महिला पुरुषों ने भव्य आगवानी आरती और चरण वंदना करते हुए की। अक्षय तृतिया पर 1008 श्री आदिनाथ भगवान के आहार आज के ही दिन इच्छु रस से राजा श्रेयांस के द्वारा हुए थे। जैन धर्म में अक्षय तृतीया (वैशाख शुक्ल तृतीया) एक अत्यंत पावन और ऐतिहासिक पर्व है, जो प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) की एक वर्ष की तपस्या के बाद प्रथम आहार ग्रहण करने की स्मृति में मनाया जाता है। यह दिन त्याग, संयम और तपस्या के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है।

आज मनाया जायेगा अक्षय तृतीया भगवान परशुराम का जन्मोत्सव

भुआबिछिया। अक्षय तृतीया एवं भगवान परशुराम प्राकट्य उत्सव के पावन पर्व पर में भव्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। माहिष्मति सर्व ब्राह्मण समाज, बिछिया के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों समस्त ब्राह्मण समाज शामिल होगा, इस अवसर पर 20 अप्रैलः को राम मंदिर में विधि-विधान से होगा पूजन-अर्चन। प्रातः 08:30 बजे से भगवान परशुराम जी का षोडशोपचार पूजन, अर्चन और विशेष हवन का आयोजन किया जाएगा। इसके पश्चात महाआरती होगी और उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया जाएगा। 27 अप्रैल बटुक विप्रों का होगा यज्ञोपवीत प्राकट्य उत्सव की कड़ी में 27 अप्रैल, सोमवार को एक वृहद सामूहिक उपनयन संस्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस दौरान बिछिया नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के बटुक विप्रों का शास्त्रोक्त विधि से यज्ञोपवीत (जनेऊ) संस्कार संपन्न कराया जाएगा। आयोजन समिति ने बताया कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य आध्यात्मिक चेतना का प्रसार और सामाजिक एकजुटता को बनाए रखने इस पुनीत कार्य में नगर सहित जिले भर के ब्राह्मण समाज शामिल होगा।

अवैध कारोबार | पुलिस ने नहीं युवाओं ने पकड़ी शराब से भरी गाड़ी।

मवई में धड़ल्ले से चल रहा अवैध शराब का खेल

*** 09 पेटी शराब को पुलिस बुलाकर कराया जप्त।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मण्डला जिले के मवई में लंबे समय से फल-फूल रहे अवैध शराब परिवहन के गोरखधंधे का आखिरकार पर्दाफाश हो गया। आरोप है कि अंग्रेजी शराब दुकान मवई से प्रतिदिन विकासखंड के अलग-अलग गांवों में अवैध रूप से शराब की सप्लाई कराई जा रही थी, जिससे न केवल नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ रही थीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब बिक्री को भी बढ़ावा मिल रहा था।

रविवार दोपहर लगभग 12 से 1 बजे के बीच का समय, जब आमतौर पर बाजार में चहल-पहल रहती है, उसी दौरान अंग्रेजी शराब दुकान के सामने बोलेरो वाहन क्रमांक MP 06 BA 0756 में खुलेआम शराब लोड की जा रही थी। हैरानी की बात यह रही कि यह पूरा खेल बिना किसी डर और रोक-टोक के सरेआम चल रहा था। इसी दौरान ग्राम पंचायत मवई के य स्थानीय युवाओं ने इस संदिग्ध गतिविधि को गंभीरता से लिया और तत्काल सक्रिय हो गए।

युवाओं ने सबसे पहले जिम्मेदारी निभाते हुए दूरभाष के माध्यम से पुलिस को सूचना दी, ताकि कार्रवाई विधिसम्मत तरीके से हो सके। इसके बाद वाहन का पीछा करते हुए लगभग 300 मीटर दूर चौराहे पर उसे रुकवाया गया। वाहन रुकवाने के बाद युवाओं ने चालक से पूछा की कि वाहन में क्या रखा है और इसे कहां ले जाया जा रहा है। पूछताछ के दौरान चालक ने खुद स्वीकार किया कि वाहन में शराब भरी हुई है। इसके बाद उसने वाहन का दरवाजा खोलकर अंदर रखी शराब भी दिखाई जिसे कपड़े की चादर से ढाक कर रखा गया था, जिससे अवैध परिवहन की पुष्टि हो गई।

इसी बीच सूचना पर मवई पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच गई और पूरे मामले को अपने नियंत्रण में लिया। पुलिस द्वारा मौके पर ही पंचनामा कार्यवाही करते हुए वाहन में रखे 9 बॉक्स में लगभग 26 लीटर अंग्रेजी एवं देशी शराब जब्त की गई। साथ ही बोलेरो वाहन को भी कब्जे में लेकर पुलिस थाना मवई ले जाया गया, जहां आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में बीएनएस (BNS) की धारा 34 (ए) के तहत कार्रवाई की जाएगी। इस पूरी कार्रवाई के दौरान सैकड़ों की संख्या में स्थानीय युवा मौके पर मौजूद रहे। युवाओं की यह एकजुटता और सतर्कता इस बात का संकेत है कि अब क्षेत्र में अवैध गतिविधियों के खिलाफ जनआक्रोश खुलकर सामने आ रहा है।

खबर संक्षेप

सर्व ब्राम्हण महासभा द्वारा आज मनाया जावेगा भगवान परशुराम जी का प्रकटोत्सव

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। भगवान विष्णु के अवतार एवं विप्र समाज के आराध्य भगवान परशुराम जी का प्राकट्योत्सव आज 20 अप्रेल दिन सोमवार को अक्षय तृतीया के मौके पर अनेक कार्यक्रमों के साथ सर्व ब्राम्हण महासभा गाडरवारा द्वारा मनाया जाएगा। बताया जाता है कि इस आयोजन को लेकर बडे स्तर पर तैयारियाँ की गई है जिसके चलते लोगों द्वारा अपने घरों में भगवान परसुराम जी का विधि विधान के साथ पूजन किया जावेगा।

पिता पुत्र सहित महिलाओं के साथ की गई मारपीट

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समीपस्थ सिहोरा पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम भौरझिर निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि में भौरझिर बाजार क्षेत्र में अपनी मोबाईल दुकान चलाता हूं। बीते हुये दिवस की बात है जब मैं अपनी दुकान के पास था उसी समय मेरा भतीजा सतीश जाटव दुकान के पास ओमप्रकाश कौरव से बातचीत कर रहा था तभी गांव का प्रदीप जाटव आया और पुरानी बुराई को लेकर गाली देने लगा। जब प्रार्थी द्वारा गाली देने से मना किया तो अपनी मोटर साईकिल से डंडा निकालते हुये मारपीट की गई। इस दौरान प्रार्थी का बेटा बीच बचाव करने के लिये आया तो उसके साथ भी उसके साथ भी मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। इसके उपरांत आरोपी प्रदीप जाटव व उसके चाचा कमलेश जाटव ने प्रार्थी के घर पहुंचकर प्रार्थी की पत्नी व पुत्र बधु के साथ मारपीट करते हुये जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

निर्माण सामग्री की कीमतें बढ़ने से टूट रहे आशियाने

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। कोई भी सरकार लाख दावा करें किन्तु हकीकत यह है कि वर्तमान में भीषण महॅगाई की रोकथाम न होने की हालत में आम आदमी की कमर इतनी अधिक तोड़ दी है कि वह आह भरने में भी असमर्थ हो गया। परिवारजनों की आवश्यकताएॅ पूरी करने में तो लोगों की सांसें ऊपर नीचे हो रही है, इसके अलावा मध्यवर्गी, गरीब व्यक्तियों के लिए छोटे से आशियाने का निर्माण करना इसलिए मुश्किल हो रहा है। क्योंकि मकानों की निर्माण सामग्री के दाम दिनोंदिन बढ़ते चले जा रहे है। आशियाने के सपनें को पूरा करने में असफल शहर के बाशिन्दो ने हरिभूमि को बताया कि मकान बनाना बुरे ख्वाब के समान हो गया है, सीमेन्ट, रेत, मिट्टी की कीमतें सोने के समान तेजी से बढ़ रही है, लोहे के दाम काफी हद तक महगांई में झूल रहे है। वही प्लंत पुरारी के लिये पीली मिट्टी के दाम बढ़नें से भी परेशानी हो रही है। उन्होने बताया कि भवन निर्माण सामग्री में इन दिनो सबसे तेज दौड़ सीमेन्ट लगा रहा है, एक बोरी सीमेन्ट जहां पिछले वर्ष 200 रू. से 300 रू. बोरी तक बिक रहा था, वह अब 300 रू. से 400 रूपया में बिक रहा है। इसी तरह ईट का भी हाल देखने मिल रहा है। क्षेत्र में ईट के भट्टो की संख्या बढ़नें के बावजूद आलम यह है कि 2000 ईट 11 से 12 हजार रूपए से ऊपर में मिल रही है, जिसके चलते माध्यमवर्गीय लोगों का कहना है कि अपने आशियाने के सपने पर ग्रहण लगने से खासतौर से शहर के वे गरीब दिक्कत में आ गए है, जिनके पास या तो स्वयं के घर नही अथवा जिनके वर्षो पुराने कच्चे मकान ध्वस्त होते चले जा रहे है।

दाम्पत्य जीवन की शुरूआत करने के लिये सर्व श्रेष्ठ मानी जाती है अक्ती की तिथि

आज अक्षय तृतीया पर रहेगी सामूहिक विवाह सम्मेलनों की धूम

बाल विवाह रोकने के लिए प्रशासन द्वारा की जावेगी सख्त निगरानी, कौरव समाज का विवाह सम्मेलन गाडरवारा में होगा आयोजित

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

लगातार शादियों में होने वाले धन की बर्बादी व प्रदर्शन को लेकर लोगों में जागरूता देखने मिल रही है जिसके चलते अनेक समाजों द्वारा इस प्रकार से शादियों में होने वाली धन की फिजूल खर्ची को रोकने के लिए जहां सामूहिक विवाह सम्मेलनों का आयोजन किया जाने लगा है। जिसके माध्यम से बगैर किसी खर्च की लड़की के हाथ पीले होने से उसका दाम्पत्य जीवन शुरू हो जाता है..? कुछ इसी प्रकार से प्रतिवर्ष सामूहिक विवाह सम्मेलनों का आयोजन अक्षय तृतीया की शुभ बेला पर अधिक मात्रा में होते है। क्योंकि अक्षय तृतीया का मतलम होता है सबसे शुभ मुहुर्त। इसी के चलते लोग इस दिवस बगैर मुहुर्त देखे हुये की मांगलिक कार्यक्र संपन्न कराते है। वैसे देखा जावे तो इस वर्ष अक्षय तृतीय के मौके पर विवाह का विशेष मुहुर्त होने के चलते शादियों की धूम मची हुई देखी जा रही है। वही दूसरी ओर बताया जाता है कि दाम्पत्य जीवन की शुरूआत करने के लिये बताया गया है कि भले की कोई तिथि न हो फिर भी अकती के मौके पर विवाह किया जा सकता है..? इसी के चलते आज क्षेत्र में अनेक जगहों पर सामाजिक स्तर पर सामूहिक विवाह सम्मलेनों का आयोजन होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? इसी के चलते कौरव समाज द्वारा कौरव सेवा समिति के सहयोग से आज समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन नगर की नई गल्ला मंडी में आयोजित किया जा रहा है। वैसे भी देखा जावे तो इस वर्ष अक्षय तृतीया के मौके पर अनेक योगों का महायोग के चलते दाम्पत्य जीवन की शुरूआत के लिये शुभ बताया गया है। क्योंकि लम्बे अंतराल के बाद बन रहे इस महायोग जो शुभ फल दायक बताया जा रहा है। इसी के चलते आज 20 अप्रैल सोमवार को अक्षय तृतीया के मौके पर सामूहिक विवाह सम्मेलनों की धूम रहेगी। वही दूसरी ओर अनेक जगहों पर आयोजित होनने वाले इन सार्वजनिक विवाह सम्मेलनों सहित समाजिक सम्मेलनों पर नाबांलिग बच्चों की शादियों को रोकने के लिए प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। क्योकि शादी के लिये अक्षय तृतीया इस तरह का मुहुर्त माना जाता है कि इस मौके पर शादी करना शुभ होने के कारण शादियों की धूम रहती है। मगर देखा जाता है कि शादियों के महाकुंभ में अनेक लोग नाबांलिग बेटी बेटियों की भांवरे पाड़ने से नही चूकते है..? इसी के चलते आज 20 अप्रैल अक्षय तृतीया के मौके पर अनेक जगहों पर सामूहिक विवाह सम्मेलन होगा तो अनेक लोगों के घरों में मंडप लनेगे। वही दूसरी ओर लोग अपने घरों में भी मिट्टी के गुडिया गुड्डो की शादी कराते कराते हुये अपने घरों में पूजन करते है। इसी के चलते अक्षय तृतीया के शुभ बेला में अनेक जगहों पर सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित होने की खबरे मिल रही है..? अनेक युवक, युवातियॉ विवाह के पवित्र बंधन में बॅधकर अपने दाम्पत जीवन के नए सफर की शुरूआत करेंगे। आज होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन के आयोजन पर प्रशासन की पैनी नजर रहने से इंकार नही किया जा सकता है। गौरतलब है कि हिन्दू संस्कृति में विवाह को अनिवार्य संस्कार माना गया है और यह अक्षय तृतीया पर अबूझ मुहुर्त्त होने से सर्वाधिक शादियॉ होने की परम्परा रही है। इस प्रकार से सामूहिक रूप से विवाह सम्मेलन को लेकर यह सच्चाई है कि वर्तमान भीषण महॅगाई के दौर में अब शादियों में धन के अनावश्क अपव्यय, शादियो में आडम्बर, प्रदर्शन के विरोध में लोग आवाज उठाने लगे है। जिसकी मिसाल है कि आज जहां तहां आयोजित हो रहे सामूहिक विवाह सम्मेलनों के माध्यम से देखने मिलेगी। क्योंकि प्रशासन द्वारा आदेश दिया गया है कि इन सम्मेलनों की भीड़ में किसी प्रकार से बाल विवाह नही होना चाहिए जिसके चलते लड़की की उम्र 18 वर्ष एवं लडका की उम्र 21 वर्ष कम नही होना चाहिए। यदि इस उम्र से कम उम्र का कोई जोड़ा पाया गया तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जावेगी। इस प्रकार से आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर लोगों का कहना है कि समय में आए बदलाव के साथ शादियो का परम्परागत रूप बदलना चाहिए और विवाह समारोहों के आयोजनों को तड़क भड़क से दूर रहना चाहिए। विवाहो की सादगी पर जोर देते हुए हरिभूमि से चर्चा करते हुए आमजन का कहना है कि वर्तमान स्थिति में लगातार बड़ रही महंगाई के चलते देखा जा रहा है कि विवाह समारोहों में लोग व्यर्थ में पैसा पानी की तरह बहा देते है और एक रात में अपने ऊपर कर्जा लाद लेते है। इस तरह महॅगी होती जा रही शादियो में बहुत सा धन मात्र प्रदर्शन में खर्च किया जाता है। इसलिए जरूरी है कि हर हाल में शादियो में फिजूल खर्ची पर नियंत्रण लगना चाहिए और सामाजिक लोगों द्वारा इस प्रकार से सामूहिक विवाह सम्मेलनों के माध्यम से यदि अपने बेटी बेटियों की शादी करे तो निश्चित तौर से जहां फिजूली खर्च पर अंकुश लगेगा। इस सच्चाई से इंकार नही किया जा सकता कि भड़कीले शादी समारोहों में धन के साथ खाने का भी अवव्यय होता है और शहर हो या फिर गांव जब बारातें निकालनें के दौरान अव्यवस्था फैलती है तो लोगों का अनेक प्रकार के परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जिसके चलते आज के युग में हर शख्स आर्थिक संकट झेलने विवश है। समय का ताकाजा है कि शादियॉ सादगी के साथ सामूहिक विवाह सम्मेलनों से करने से जहां धन की फिजूल खर्चे को रोका जा सकता है। आज होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलनों के संबंध में जब क्षेत्र के उप पुलिस अधीक्षक एल एस डागूर से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि अक्षय तृतीय शादी के लिये शुभ मुहुर्त माना जाता है। आज अनेक जगहों पर शादियों के आयोजन होगे। वही अनेक युवा अपने दाम्पत्य जीवन की शुरूआत करेगे। मगर अक्सर देखा जाता है कि लोगों द्वारा अपनी पुरानी परम्पराओं के चलते इस प्रकार के छोटे बच्चों की शादी कर देते है जो बाल विवाह की श्रेणी में आता है और बाल विवाह करना निश्चित ही अपराध की श्रेणी में आता है। इस प्रकार से बाल विवाहों को रोकने के लिए प्रशासन की टीम द्वारा पैनी नजर रखी जावेगी। यदि किसी जगह पर लड़की उम्र 18 वर्ष व लड़के की उम्र 21 वर्ष से कम उम्र के जोड़ो की शादी होते हुए पाई जाती है तो कार्यवाही की जावेगी। वही नगर निरीक्षक अशोक सिंह चौहान का कहना है कि आज अक्षय तृतीया के मौके पर शादी का शुभ मुहुर्त माना जाता है। इसी के चलते आज अनेक युवा अपने दाम्पत्य जीवन की शुरूआत करेगे। मगर सभी लोगों से अपेक्षा है कि वह अपने बच्चों की शादी के लिये बेटी की उम्र 18 साल व बेटा की उम्र 21 साल होने के बाद ही करेगे। आज मचने वाली शादियों की धूम के बीच प्रशासन की टीम द्वारा इस पर विशेष नजर रखी जावेगी। यदि कही से भी बाल विवाह होने की सूचना मिलती है तो सक्षम अधिकारियों के दिशा निर्देष में कार्यवाही की जावेगी।

क्षेत्र में धूम्रपान के नाम पर विदेशी माल की सप्लाई खड़े कर रही सवाल तो नशा मुक्ति अभियान पर लग रहा ग्रहण...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इस समय जिस प्रकार से म.प्र. शासन के आदेश पर पूरे प्रदेश में शुद्व के लिये युद्व मुहिम चलाते हुये जहां खाद्य विभाग द्वारा लगातार छापेमार कार्यवाही की जा रही है। वही दूसरी ओर मादक पदार्थो के अवैध कारोबार को लेकर भी मुहिम चलते हुये देखी जाने के बाद भी क्षेत्र में विदेशी सिगरेटों का आसानी से उपलब्ध होना सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है..? वही गौर किया जावे तो अधिकारियों द्वारा शासकीय चिकित्सालय व शासकीय शिक्षण संस्थाओं की 100 मीटर के अंदर आने वाली परधी में तम्बाखू युक्त सामग्री विक्री पर अंकुश लगाने के लिये बीते हुये कुछ साल पहले शासन प्रशासन को कोटपा एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये देखा गया था? मगर प्रशासन द्वारा की जाने वाली इस कार्यवाही के दौरान जिस प्रकार से अधिकारियों द्वारा जिस सच्चाई को नजर अंदाज किया जा रहा है उसे लेकर संपूर्ण शासन प्रशासन की कार्य प्रणाली पर सबाल खड़े होने से नही चूक पा रहे है? क्योंकि शुद्व के लिये युद्व मुहिम पर की जाने वाली कार्यवाही तो ठीक है, मगर नगर सहित क्षेत्र के अनेक दुकानों पर इस प्रकार की सामग्री भी धडल्ले से बिकते हुये देखी जा रही है जो नियम विरूद्व होने के साथ साथ युवाओं की जिन्दगी को बर्बाद करने से नही चूक रही है...? बताया जाता है कि इस समय नगर सहित क्षेत्र की अनेक पान दुकानों सहित अन्य सामग्री की दुकानों पर जिस प्रकार से विदेशी सिगरेटों की बिक्री होते हुये देखी जा रही है वह नियम विरूद्व बताई जा रही है। क्योंकि किसी भी विदेशी माल का विक्रय करने के लिये अनेक प्रकार के मापदंडो का पालन करना जरूरी होता है, मगर इसके बाद भी नगर सहित क्षेत्र में धडल्ले से इस प्रकार विदेशी सिगरेटों की भरमार देखने मिल रही है, जिसके चलते विदेशी सिगरेटों की लत के आदि हो चुके युवा अपना शोक पूर्ण करने के चक्कर में इन महंगी सिगरटों के चक्कर में अपनी जिन्दगी बर्बाद करने के साथ साथ लुटने से भी नही चूक रहे है? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि क्या नगर में इस प्रकार से पान दुकानों सहित अन्य दुकानों पर इस प्रकार से विदेशी माल विक्रय करने की अनुमति प्रदान की गई है जिसके चलते वह धडल्ले से इस प्रकार विदेशी सिगरेटों का विक्रय करते हुये देखे जा रहे है? वही दूसरी ओर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो सबाल यह भी पैदा होने से नही चूक रहा है कि विदेशी सिगरेटों के नाम पर अनेक ब्रांडो की यह सिगरेटे क्या सही रूप से उसी ब्रांड की होती है जिसके नाम पर विक्रय की जा रही है, या फिर विदेशी व ब्रांड के नाम पर मात्र युवाओं की जिन्दगी बर्बाद करते हुये उनकी जेबों पर डाका ही डालने का कार्य किया जा रहा है अब सच्चाई जो भी हो उसे तो भगवान ही जाने? मगर नगर में धडल्ले से विक्रय होते हुये देखी जा रही इन विदेशी सिगरेटों की सच्चाई को लेकर जिस प्रकार से प्रशासन द्वारा चुप्पी साधी जा रही है उसके चलते शासन द्वारा चलाये जा रहे शुद्व के लिये युद्व पर अपने आप ही सबाल खड़े होने से नही चूक पा रहे है? क्योंकि खाद्य सामग्री से अधिक इस प्रकार से विदेशी ब्रांडों के नाम पर विक्रय होने वाली यह सिगरेटे जहरीली साबित होने से नही चूक रही है जो निश्चित तौर से मानव जीवन पर विपरित असर डालते हुये दिखाई दे रही है, वही दूसरी ओर उनका निर्धारित ब्रांड के नाम पर कहा तक सही है इस बात का भी किसी को पता नही होने के बाद भी प्रशासन द्वारा कार्यवाही को लेकर नजर अंदाज किया जाना चिंता जनक सच्चाई को उजागर करते हुये दिखाई देने लगा है।

बिजली की ऑख मिचौनी से शहर से लेकर ग्रामीणजन हो रहे परेशान, अधिकारी नहीं दे रहे हैं ध्यान

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर।

इस समय देखा जा रहा है कि जहां बिजली विभाग द्वारा शहर से लेकर ग्रामवासियों को मन माफिख बिल देते हुए महगांई के दौर में उनकी घरों के बजट को विगाड़ते हुये उत्सह को तो फीका कर दिया गया है। मगर वही दूसरी ओर जिस प्रकार से बिजली कटौती की जा रही है उसके चलते लोगों को मुश्किल में डाल दिया गया है। बताया जाता है कि इस समय शहर से लेकर गॉवो में जिस प्रकार से बिजली की ऑख मिचौली चल रही है। इस समय पड़ रही भीषण गर्मी के दौरान की जा रही अघोषित कटौती के चलते जहां लोगों परेशान होते हुये देखे जा रहे है तो दूसरी ओर पीने के पार से लेकर अन्य जरूरी कार्य भी प्रभावित होने से नही चूक पा रहे है। इतना ही नही जिन किसानों ने अपने खेतों में मूंग फसल लगाई गई उन्हें भी पानी नही मिलने के कारण सूखते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रही है। इस संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया जाता है तो उनके द्वारा कह दिया जाता है कि अचानक बिजली लाईन में खराबी आ जाने के कारण बंद हुई है सुधार कार्य चल रहा है। जबकि गौर किया जावे तो पूर्व बिजली विभाग द्वारा सुधार के नाम पर संपूर्ण क्षेत्र की बिजली बंद रखी गई थी और कहा गया था कि अब जरूरत के दौरान लोगों को बिजली की परेशानी का सामना नही करना पड़ेगा। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि क्षेत्र में प्रतिदिन दिन रात में अनेकों को बार बिजली अचानक बंद हो रही है, जिससे बिजली विभाग द्वारा पूर्व के समय में किये गये सुधार कार्य को लेकर जहां अनेक सबाल खड़े हो रहे है। वही दूसरी ओर यह सबाल भी उठ रहा है कि आखिर में किस प्रकार से सुधार हुआ था जिसके चलते अब गर्मी के समय में लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। अब सबाल यही पैदा हो रहा है कि क्या बिजली सुधार कार्य के नाम पर सिर्फ औपचारिकता ही निभाई गई थी या फिर शासन के पैसा की होली खेली गई थी? इस प्रकार से बिजली की आंख मिचोली के चलते सर्वधिक परेशानी उन लोगों को हो रही है जहां पानी की सप्लाई नलकूपों के माध्यम सें की जाती है। इन इलाको में बार बार बिजली बंद होने से पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इस प्रकार से लगातार हो रही बिजली की अघोषित कटौती को लेकर नागरिको का कहना है कि शाम ढलने के साथ ही बिजली की ऑख मिचौली शुरू हो जाती है जो लगभग सारी रात व दिन में भी जारी रहती है।

ब्राण्डेड कंपनी के मिलते जुलते सामानो की आई बहार, आमजन की जिन्दगी को बन रहा खतरा?

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। मार्केट में इन दिनों डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों की मांग खासी बढ़ गई है। क्योंकि खुले समान में शुद्धता की गारंटी नहीं होने और स्वास्थ्य पर पड़नें वाले प्रभाव के चलते लोग पैक आईटम की ओर आकर्षित होने से नही चुक पा रहे है, इसके चलते बाजार में नामी गिरामी कंपाानियों की विभिन्न वैरायटी के प्रोडक्ट आ रहे है जो बच्चों से लेकर बड़ो तक की पसंद बन गए है। मगर गौर किया जावे तो बाजार में कंपनियों से मिलते जुलते ब्रांडों की भी बाढ आई हुई है, यह सेहत पर क्या असर डालेंगे। इस बारे में न तो दुकानदार जान रहा है और न ही खाद विभाग को इतनी फुर्सत है कि इनकी जांच करें? बस दुकानदार तो कमीशन अधिक होने के फेरे में इन्हे बेचने में रूचि दिखाते हुए दिखाई दे रहे है जिसके चलते आम लोगों की जिन्दगी पूर्ण रूप से खतरे में दिखाई देने लगी है?

कंपनी द्वारा दिये गये मोटर पंप को बिजली विभाग द्वारा गलत साबित

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर।

इस समय जहां क्षेत्र का किसान प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहा है। वही दूसरी ओर बिजली विभाग द्वारा पांच हार्स पावर मोटर पंप के नाम पर सात हार्स पावर का बिल देते हुए किसानों को जिस प्रकार से परेशान किया जा रहा है आखिर में इसमें किसान की गलती कहा से हो रही है जिसके कारण उसे बिजली विभाग द्वारा इस प्रकार का दंड दिया जा रहा है? क्योंकि बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा बिजली मापने वाली मशीन से किसानों के कुंआ व नलकूपों पर पहुंचकर नलकूपों में डली हुई मोटर को अपने यंत्र के माध्यम से जांचते हुए उसे अधिक भार का बिल पहुंचाया जा रहा है, जिसमें क्षेत्र के कुछ किसानों द्वारा जानकारी देते हुए बताया है कि उनके नल कूप में पांच हार्स पावर की मोटर डली हुई जिसको उन्होंने जिस कंपनी से खरीदा गया है उसका वह बिल भी रखे हुए है मगर इसके बाद भी बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा उसे अधिक वोल्ट की बताते हुए बिल भेजा जाता रहा है? आखिर में जब किसान द्वारा किसी दुकान से कोई मोटर पंप खरीदा जाता है और उसका बिल लेता है जिसमें भी उसका बिद्युत खपत करने की मात्रा स्पष्ट लिखी होती है इसके बाद बिजली विभाग द्वारा जांच करने के बाद उसमें अधिक बिजली खपत करने की मात्रा पाई जाती है तो आखिर में इसमें किसान कैसे दोषी हुआ? क्योंकि अब किसान ज्यादा पढ़ा लिखा तो होता नही है जितनी मात्रा की कंपनी उसे बनाकर देती है उतनी मात्रा का मोटर वह अपने नलकूपों में डालकर उपयोग करता रहता है और बिजली विभाग द्वारा उसे दोषी मनाते हुए अधिक बिजली बिल भेजा जाता है? अब अधिक बिजली यदि किसी किसान का मोटर पंप खा रहा है तो उसमें कंपनी दोषी हुई जिसने मोटर पंप पर गलत लेबिल लगाते हुए उसे बेचा गया है? वही दूसरी ओर गौर करने वाली बात तो यह भी है कि किस प्रकार से नलकूप में डली हुई मोटर को किसान नही बनता है जो वह गलत नही हो सकती है..? और इसी प्रकार से किसानों की मोटर पंपों की जांच करने वाले यंत्रों को भी बिजली विभाग के अधिकारी नही बनाते है जो वह हर समय सही रिपोर्ट देते रहे? जिस प्रकार से विश्वास के साथ किसान मोटर खरीदकर अपने नलकूप में डालता है इसी प्रकार से बिजली विभाग के अधिकारी भी बिजली की खपत जांच करने वाले यंत्र को विश्वास के साथ जांच करते है, अब यदि कंपनी द्वारा दी गई किसान की मोटर नियत मात्रा से अधिक बिजली खा सकती है तो बिजली विभाग का वह जांच करने वाला यंत्र भी खराब हो सकता है? क्योंकि दोनों ही चीजे कंपनी द्वारा बनाई गई है, इसमें सिर्फ दोषी किसान ही क्यों माना जाता है। वही दूसरी ओर देखा जावे तो यदि कोई व्यक्ति कोई दुकान से समान खरीदता है ओर यदि व समान खराब निकलता है तो दुकानदार को दोषी मानते हुए उसके खिलाफ कार्यवाही की जाती है, इसी प्रकार से किसान भी दुकान से मोटर पंप पांच हार्स पावर के नाम पर खरीदता है और यदि वह अधिक हार्सपावर की बिजली खाने लगता है तो अधिकारी उस दुकानदार के खिलाफ कार्यवाही करने की जगह किसान को अधिक बिल क्यों देते है? अब इसमें किसान दोषी हुआ की मोटर पंप बनाने वाली कंपनी जिसकी सजा किसान भोगते हुए पांच हार्स पावर की जगह सात हार्स पावर का बिल भरने मजबूर हो रहा है?

दुकानों से लेकर वाहनों में भी धड़ल्ले से हो रहा घरेलू गैस का उपयोग, प्रशासन की भूमिका बनी संदिग्ध?

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

यह बात अलग है कि इस समय लोगों को गैस आसानी से उपलब्ध होते हुये देखी जा रही है। मगर वही दूसरी ओर घरेलू गैस का व्यवसायिक उपयोग प्रतिबंधित हैं। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि नगर में जहां खुलेआम घरेलू गैस को नियम विरूद्व तरीके से दुकानों पर व्यवसायिक रूप से उपयोग हो रहा है। इस बात की सच्चाई नगर में चल रही अनेक होटलों से लेकर अंडा दुकानों से लेकर जहां तहां आयोजित होने वाले समारोहों में धडल्ले से घरेलू गैस का उपयोग होते हुये देखा जा रहा है। मगर हैरत की बात है कि जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा जिस प्रकार से सच्चाई का नजर अंदाज किया जा रहा है वह निश्चित ही चर्चा का विषय बनने के साथ साथ अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर सबाल खड़े करने से नही चूक पा रहा है? क्योंकि नियम के अनुसार घरेलू गैस का उपयोग सिर्फ घर के रसोई घरों में ही किया जा सकता है। मगर प्रशासन की अनेदेखी का परिणाम है कि रसोई गैस सिलेण्डरों का उपयोग धडल्ले से जहां दुकानों से लेकर लोगों द्वारा गैस बेल्डिग करने व समारोहो से लेकर अन्य कार्यक्रमों में होने के अलावा सड़क किनारे चलने वाले चाय नास्ता सहित अंडा दुकानों पर तक धडल्ले किया करते हुये देखा जा रहा है। इतना ही नही यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो गैस चलने वाले वाहनों में तक इस प्रकार से गैस किटों में घरेलू गैस सिल्डरों के माध्यम से गैर पलटी करते हुये वाहनों को दौड़ाया जा रहा है? मगर पता नही प्रशासन के अधिकारियों द्वारा इन रसूखदार मालिको के बड़े प्रतिष्ठानो पर कार्यवाही करने की हिम्मत क्यो नही जुटा पा रहे है यह सच्चाई चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रही है? जबकि घरेलू गैस के दुरूपयोग को रोकना खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की जिम्मेदारी है मगर विभाग द्वारा दिखाई जाने वाली सुस्ती से घरेलू उपभोक्ताओं के हक पर डाका डाल रहे होटल संचालको व अन्य व्यवसायियो के हौसले बुलंद नजर आने से नही चूक पा रहे है। रसोई गैस में दौड़ रहे वाहन- इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो क्षेत्र मे सैकड़ो की तादाद में सीएनजी ईधन से चलने वाले वाहन दौड़ रहे है वही दूसरी ओर जिले में कही भी सीएमजी रिफलिंग सेन्टर नही है, जो वाहन चालक अपने वाहन में वास्तव में सीएनजी भराना चाहता है उसे किसी दूसरे बड़े महानगरों के रिफलिंग सेन्टर जाना पड़ेगा, ऐसे में अब प्रश्न यह उठता है कि इन्हे सीएनजी गैस टेंक में डालने कहां से मिलती है जाहिर सी बात है उपभोक्ताओं के हिस्से की टंकी इन्ही वाहनो में रिफिल किये जाने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? जबकि देखा जावे तो इस प्रकार से रसोई गैस से वाहनो को दौड़ाने के चक्कर में आये दिन किसी ने किसी शहर में हादसे होने की खबर आती रहती है मगर इसके बाद भी प्रशासन का रवैया गैर जिम्मेदाराना होना अनेक प्रकार की चर्चाओं को जन्म देते हुये जान पड़ रहा है।

खबर संक्षेप

सूखे पेड़ों से हादसे का खतरा प्रशासन नहीं ले रहा संज्ञान

अमरपुर। अमरपुर में जनपद पंचायत मुख्यालय क्षेत्र में लंबे समय से खड़े सूखे और जर्जर पेड़ बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार प्रशासन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। स्थानीय रहवासियों और राहगीरों ने कई बार अधिकारियों को इन पेड़ों को हटाने के लिए अवगत कराया लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।हाल ही में अमरपुर सक्का मार्ग पर हल्की आंधी तूफान के दौरान एक सूखा पेड़ अचानक गिर गया जिससे सड़क पर आवागमन प्रभावित हुआ। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई लेकिन इससे संभावित खतरे की गंभीरता स्पष्ट हो गई है।गर्मी के मौसम में आंधी तूफान की संभावना अधिक रहती है ऐसे में ये सूखे पेड़ कभी भी गिरकर वाहन चालकों राहगीरों और आसपास के मकानों के लिए खतरा बन सकते हैं।नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि सूखे पेड़ों को तत्काल हटाया जाए ताकि किसी बड़े हादसे को समय रहते रोका जा सके।

एकलव्य विद्यालय में आज आयोजित होगा जिला स्तरीय नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। नारी शक्ति की गरिमा और उनके अधिकारों के प्रति जन-जागरूकता लाने के उद्देश्य से जिले भर में 10 अप्रैल से 25 अप्रैल तक "नारी शक्ति वंदन" पखवाडा हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इसी अनुक्रम में आज 20 अप्रैल को अनूपपुर के एकलव्य आवासीय विद्यालय के ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग विनोद परस्ते को नोडल अधिकारी तथा सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती मंजूषा शर्मा को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर टेन्ट, साउण्ड सिस्टम, माईक, स्टेज निर्माण, कार्यक्रम स्थल में साफ-सफाई एवं पेयजल की व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल पर स्थानीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं तथा स्वसहायता समूह की दीदियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों की ड्यूटी भी लगाई है।

डिंडोरी में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की नई शाखा का गठन, डॉ. अरुणेंद्र मूर्ति गौतम बने अध्यक्ष

डिंडोरी। जिले के चिकित्सा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में शनिवार शाम मिड वे ट्रीट में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) की डिंडोरी शाखा का विधिवत गठन किया गया। इस अवसर पर जिले के एमबीबीएस चिकित्सक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और संगठन की मजबूती को लेकर उत्साह देखने को मिला।इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, जो देश की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित चिकित्सकीय संस्थाओं में से एक है, का उद्देश्य डॉक्टरों को एक मंच पर लाना और उनकी पेशेवर एवं सामाजिक समस्याओं में हर परिस्थिति में साथ खड़े रहना है। लगभग एक सदी का गौरवशाली इतिहास रखने वाली इस संस्था का डिंडोरी में विस्तार होना जिले के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए सकारात्मक कदम माना जा रहा है।आयोजन के दौरान सर्वसम्मति से डॉ. अरुणेंद्र मूर्ति गौतम को जिला अध्यक्ष, डॉ. सुरेश मरावी को जिला सचिव एवं डॉ. धनराज को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों को उपस्थित चिकित्सकों ने शुभकामनाएं दीं और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में उपस्थित सभी चिकित्सकों ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि यह मंच जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर समन्वय और डॉक्टरों के हितों की रक्षा में अहम भूमिका निभाएगा।इस दौरान जबलपुर से आई IMA की टीम में डॉ सुनील भेल (वाइस प्रेसिडेंट)डॉ पुष्पराज भटेले (प्रेसिडेंट इलेक्ट), डॉ दीपक साहू (सेकेट्री)डॉ संजीव वरकड़े (स्टेट ज्वाइंट सेकेट्री)मुख्य अतिथि डॉ अरविंद जैन और डॉ राकेश पाठक तथा डिंडोरी जिले से सीएमएचओ डॉ मनोज पांडे,डॉ नन्हे सिंह ठाकुर, डॉ देवेंद्र मरकाम, डॉ रमेश मरावी, डॉ अजय राज, डॉ धनराज डॉ चंद्रशेखर सिंह डॉ सुरेश मरावी डॉ अरुणेंद्र मूर्ति गौतम, डॉ अमित जैन,डॉ कुशराम,डॉ सतेंद्र परस्ते, डॉ कमलेश राज,डॉ जयश्री, डॉ नीतू, डॉ दानवीर मौजूद रहे।

सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स को आम आदमी पार्टी ने किया सम्मानित

शहपुरा। शहपुरा के विकासखंड मेंहदवानी अंतर्गत ग्राम पंचायत खम्हरिया में आम आदमी पार्टी द्वारा सोशल मीडिया के क्षेत्र में सक्रिय युवाओं और इनफ्लुएंसर्स के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर जिले के प्रमुख सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स नरेश कुमार भवेदी एनकेबी रोस्टर राकेश कुमार मरावी आशीष मरकाम कमल नाथ यादव और चिक्कू भवेदी को पार्टी पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष एडवोकेट निर्मल कुमार साहू ने कहा कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया जन जागरूकता का सबसे सशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि इनफ्लुएंसर्स समाज के मुद्दों को आम जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं इसलिए उनका सम्मान आवश्यक है।इस दौरान जिला उपाध्यक्ष अधिवक्ता विनय कुमार झारिया किसान विंग जिला अध्यक्ष जितेंद्र साहू मेंहदवानी विकासखंड अध्यक्ष कृष्ण कुमार साहू जिला सचिव प्रहलाद सिंह परस्ते जिला संगठन मंत्री देवी प्रसाद साहू सोशल मीडिया प्रभारी शारदा नामदेव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम में सभी पदाधिकारियों ने सम्मानित इनफ्लुएंसर्स के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। पार्टी ने भविष्य में भी ऐसे प्रतिभाशाली युवाओं को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम का वातावरण उत्साहपूर्ण रहा और सभी ने समाजहित में मिलकर कार्य करने का संदेश दिया।

शहपुरा में बड़ा हादसा टला, ट्रक की टक्कर से गिरे पोल

मुख्य मार्ग पर अफरा तफरी, बिजली आपूर्ति बाधित

शहपुरा।

शहपुरा नगर के जबलपुर अमरकंटक मार्ग पर सेंट्रल बैंक के पास रविवार को उस समय हड़कंप मच गया जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने विद्युत पोल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दो विद्युत पोल जमीन पर गिर गए और बिजली लाइन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई लेकिन राहत की बात यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई और एक बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना विद्युत विभाग और पुलिस को दी।सूचना मिलते ही विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त लाइन को सुधारने का कार्य शुरू कर दिया। वहीं ट्रक को मौके पर ही रोक लिया गया और मामले की शिकायत थाने में दर्ज कराई गई।घटना के कारण कुछ समय के लिए क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित रही। विभाग के कर्मचारियों द्वारा तेजी से सुधार कार्य किया जा रहा है ताकि जल्द से जल्द व्यवस्था सामान्य हो सके। समय रहते सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया लेकिन घटना ने सड़क सुरक्षा और लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

करोड़ों की नल जल योजना बनी सफेद हाथी, ग्रामीणों को पानी के लिए जूझना पड़ा

डिंडौरी ।

समनापुर क्षेत्र में हर घर नल हर घर जल के दावों के साथ शुरू की गई जल जीवन मिशन योजना जमीनी स्तर पर विफल नजर आ रही है। जनपद पंचायत समनापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत नान डिंडौरी में करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है और कई परिवार दूषित पानी पीने को मजबूर हैं।जानकारी के अनुसार वर्ष 2022 में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा लगभग एक करोड़ पंद्रह लाख रुपए की लागत से नल जल योजना स्वीकृत की गई थी। योजना का कार्य अप्रैल 2022 में शुरू होकर मार्च 2023 में पूर्ण दिखाया गया। इस योजना के तहत नान डिंडौरी और बैगा बहुल ग्राम कमको में पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन वर्तमान स्थिति इसके विपरीत है। गांव में टंकी संपवेल और पाइपलाइन तो बने हुए हैं लेकिन नलों तक पानी नहीं पहुंच रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि योजना केवल कागजों तक सीमित रह गई है।

ग्रामीणों के अनुसार पाइपलाइन बार बार फटने के कारण पिछले दो महीनों से जल आपूर्ति पूरी तरह बंद है जिससे पेयजल संकट गहरा गया है। महिलाओं को कई किलोमीटर दूर जाकर पानी लाना पड़ रहा है और हैंडपंपों पर लंबी कतारें देखी जा रही हैं।ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि ठाकुर टोला और बनवासी टोला में नई पाइपलाइन डालने के बजाय पुरानी पाइपलाइन को ही योजना से जोड़ दिया गया है जिससे पाइपलाइन जाम हो गई और पानी की सप्लाई बंद हो गई है। कई स्थानों पर घर घर नल कनेक्शन के नाम पर केवल प्लेटफॉर्म बना दिए गए हैं जिन्हें मुख्य पाइपलाइन से जोड़ा ही नहीं गया।बनवासी टोला की स्थिति और गंभीर है जहां अधिकांश हैंडपंप सूख चुके हैं और स्कूल के पास लगे हैंडपंप से गंदा और बदबूदार पानी निकल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पानी में दुर्गंध आती है फिर भी मजबूरी में वही पानी पीना पड़ रहा है।इस योजना का कार्य रेड सर्कल इंडस्ट्रीज नागपुर द्वारा किया गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि ठेकेदार ने अधिकारियों की मिलीभगत से पुराने कार्यों को नया दिखाकर अनियमितताएं की हैं और लाभार्थियों के आंकड़ों में गड़बड़ी की गई है। स्थानीय निवासी नाथूराम बनवासी ने बताया कि उनके क्षेत्र में केवल प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं लेकिन पाइपलाइन से कोई कनेक्शन नहीं है जबकि वार्ड पंच भगत राम ठाकुर ने कहा कि कई स्थानों पर पुरानी पाइपलाइन में ही योजना जोड़ दी गई जिससे पूरी व्यवस्था ठप हो गई है।

अधिवक्ता ने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को लिखा पत्र, कम बैठकें अधिक कार्य नीति की मांग

डिंडोरी। अधिवक्ता सम्यक जैन ने प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार को लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और मुख्य सचिव को पत्र लिखकर अहम सुझाव दिए हैं।पत्र में उन्होंने शासकीय योजनाओं और अभियानों की वर्तमान समीक्षा प्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि अत्यधिक समीक्षा बैठकें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और जटिल रिपोर्टिंग प्रक्रिया अधिकारियों के वास्तविक कार्य निष्पादन में बाधा बन रही है। उनका कहना है कि महीने के अधिकांश दिन बैठकों में बीत जाते हैं जिससे जमीनी स्तर पर काम के लिए बहुत कम समय बचता है और योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावित होता है।

सम्यक जैन ने लिखा कि कलेक्टर से लेकर पटवारी स्तर तक के अधिकारी फोटो अपलोडिंग डेटा एंट्री और रिपोर्टिंग में उलझे रहते हैं जिसके कारण विकास कार्यों की प्रभावी निगरानी नहीं हो पा रही है। उन्होंने फाइलों के लंबित रहने जनसुनवाई में देरी और प्रशासनिक कार्यक्षमता में गिरावट को भी गंभीर चिंता का विषय बताया।उन्होंने कम बैठकें अधिक कार्य की नीति अपनाने पर जोर देते हुए सुझाव दिया कि टीएल जैसी समीक्षा बैठकों को महीने में सीमित संख्या में आयोजित किया जाए ताकि अधिकारी फील्ड में अधिक समय दे सकें। साथ ही उन्होंने प्रशासन में पोस्डकोरब सिद्धांत लागू करने की बात कही जिससे योजना निर्माण संगठन समन्वय और नियंत्रण की प्रक्रिया अधिक प्रभावी हो सके।

पत्र में रिपोर्टिंग व्यवस्था को सरल बनाने अनावश्यक फोटो अपलोडिंग कम करने और योजनाओं का मूल्यांकन केवल लक्ष्य के बजाय गुणवत्ता के आधार पर करने की आवश्यकता बताई गई है। उन्होंने यह भी कहा कि लगातार बैठकों और बढ़ते कार्य दबाव के कारण अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यक्षमता प्रभावित हो रही है जिसका सीधा असर प्रशासनिक गुणवत्ता पर पड़ रहा है।अंत में सम्यक जैन ने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से प्रदेशहित में इन सुझावों पर गंभीरता से विचार कर संतुलित पारदर्शी और जनहितकारी प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित करने की मांग की है।

अज्ञात कारणों से लगी आग में लाखों का भुरका गांव में भीषण आग से किराना दुकान राख, महिला झुलसी

शहपुरा।

शहपुरा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के मेंहदवानी थाना क्षेत्र के भुरका गांव में रविवार सुबह एक भीषण आगजनी की घटना सामने आई। अचानक लगी आग ने एक किराना दुकान और उससे सटे मकान को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और दुकान में रखा समस्त किराना सामान फर्नीचर तथा घरेलू सामग्री जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई।घटना के समय दुकान में मौजूद एक महिला आग की चपेट में आकर झुलस गई। परिजनों और ग्रामीणों ने तत्काल उसे मेंहदवानी अस्पताल पहुंचाया जहां उसका उपचार जारी है।आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और सामूहिक प्रयास से आग बुझाने में जुट गए। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका लेकिन तब तक लाखों रुपये का नुकसान हो चुका था।आग लगने के कारणों का अब तक कोई स्पष्ट पता नहीं चल सका है। सूचना मिलते ही मेंहदवानी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस द्वारा आग के कारणों की गंभीरता से पड़ताल की जा रही है।

मौत के साए में घर-दुकान- ट्रांसमिशन लाइनों के नीचे बसा खतरा, ट्रांसको का सख्त एक्शन शुरू

अनूपपुर जिले में हाईटेंशन ट्रांसमिशन लाइनों के पास हो रहे अवैध निर्माण अब जानलेवा खतरे में बदलते जा रहे हैं। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए एमपी ट्रांसको ने सख्त अभियान छेड़ दिया है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि थोड़ी सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। अभियान के तहत न केवल कार्रवाई हो रही है, बल्कि लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है।

हरिभूमि न्यज अनूपपुर।

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा अनूपपुर और आसपास के क्षेत्रों में ट्रांसमिशन लाइनों के समीप बढ़ते अवैध निर्माणों पर सख्ती दिखाई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, ये निर्माण न सिर्फ नियमों का उल्लंघन हैं, बल्कि सीधे तौर पर लोगों की जान के लिए खतरा बने हुए हैं। हाईटेंशन लाइनों में प्रवाहित विद्युत धारा सामान्य घरेलू बिजली से कई गुना अधिक घातक होती है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। अभियान के तहत अब तक दो दर्जन से अधिक निर्माण चिन्हित किए गए हैं, जिनमें से कई को हटाने की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। प्रशासन की प्राथमिकता है कि समय रहते इन खतरों को खत्म कर नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

27 से 35 मीटर का 'नो एंट्री' जोन

ट्रांसमिशन लाइनों के आसपास सुरक्षा के सख्त नियम तय हैं। 132 केवी लाइन के दोनों ओर 27 मीटर और 220 केवी लाइन के लिए 35 मीटर तक का क्षेत्र पूरी तरह प्रतिबंधित है। इस दायरे में किसी भी प्रकार का निर्माण करना कानूनन गलत है। इसके बावजूद लोग अनजाने या लापरवाही में मकान और दुकानें खड़ी कर लेते हैं। यह 'नो एंट्री' जोन दरअसल सुरक्षा कवच है, जिसे नजरअंदाज करना खुद की जान को जोखिम में डालने जैसा है।

600 गुना ज्यादा खतरनाक करंट

ट्रांसमिशन लाइनों में बहने वाली बिजली सामान्य घरेलू सप्लाई से 600 से 950 गुना अधिक घातक होती है। इसका असर इतना खतरनाक होता है कि संपर्क में आए बिना भी गंभीर नुकसान हो सकता है। तेज हवा या

बारिश में तारों के झूलने से खतरा और बढ़ जाता है। ऐसे में इन लाइनों के पास रहना या निर्माण करना किसी अदृश्य मौत के साए में जीने जैसा है, जहां हादसा कभी भी हो सकता है।

23 निर्माण चिन्हित, मचा हड़कंप

अनूपपुर और कोतमा क्षेत्र में अब तक 23 ऐसे निर्माण चिन्हित किए गए हैं, जो ट्रांसमिशन लाइन के खतरनाक दायरे में आते हैं। इन सभी को नोटिस जारी कर चेतावनी दी गई है कि वे खुद ही निर्माण हटा लें, अन्यथा प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा। इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और लोग अब अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर होते नजर आ रहे हैं।

चार निर्माण हटाए, अभियान तेज

ट्रांसको की टीम ने अब तक चार खतरनाक निर्माणों को हटाकर साफ संदेश दे दिया है कि नियमों के साथ समझौता नहीं होगा। अधीक्षण अभियंता आर.एस. पांडे और कार्यपालन अभियंता ए.पी.एस. चौहान के नेतृत्व में शहडोल टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। रेलवे ट्रैक्शन लाइन के पास बने निर्माणों को हटाना प्राथमिकता में रखा गया है, ताकि बड़े हादसे को रोका जा सके।

सुरक्षा ही सबसे बड़ी गारंटी

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने भी नागरिकों से अपील की है कि वे ट्रांसमिशन लाइनों के पास निर्माण करने से बचें और सुरक्षा मानकों का पालन करें। उनका कहना है कि थोड़ी सी सावधानी ही जीवन की सबसे बड़ी सुरक्षा है। प्रशासन लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है, लेकिन अंतिम जिम्मेदारी नागरिकों की भी है कि वे नियमों का पालन करें और खुद को व अपने परिवार को सुरक्षित रखें।

भीषण सड़क हादसा

ट्रैक्टर ट्राली पलटने से चार मजदूरों की दबकर हुई मौत

चारों मृतक डिंडोरी जिले के निवासी, गांव में पसरा मातम

हरिभूमि न्यजअनूपपुर। जिले के करनपठार थाना क्षेत्र में एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। डिंडौरी जिले के करंजिया क्षेत्र से पौनी क्रेशर गिट्टी लेने जा रहा एक ट्रैक्टर ठाड़पाथर के पास अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसा इतना भयावह था कि ट्रैक्टर में सवार 3 युवक और 1 किशोर इंजन के नीचे दब गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर में चार लोग सवार थे, जो गिट्टी लेने जा रहे थे। तेज रफ्तार के कारण ट्रैक्टर अचानक नियंत्रण से बाहर हो गया और सड़क से नीचे उतरकर पलट गया। दुर्घटना के बाद चारों युवक काफी देर तक इंजन के नीचे दबे रहे और तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान अंकुश उइके उम्र 24, ब्रजेश पेंदो उम्र 20, रविंद्र कुमार गोयल उम्र 18 और प्रकाश मार्को उम्र 17 के रूप में हुई है। सभी युवक डिंडोरी जिले के भीमकुंडी गांव के निवासी थे। बताया जा रहा है कि अंकुश उइके ही ट्रैक्टर का मालिक और चालक था। घटना की सूचना मिलते ही करनपठार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद ट्रैक्टर को सीधा कर नीचे फंसे लोगों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक सभी की मौत हो चुकी थी। एक ही गांव के चार लड़कों की मौत से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में मातम पसरा हुआ है। थाना प्रभारी वीरेंद्र बरकड़े के अनुसार, मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए बेनीबारी अस्पताल भेजा गया है, जिसके बाद शव परिजनों को सौप दिया गया।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, सोमवार 20 अप्रैल 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

तापमान पहुंचा 43 के पार

तेंदूखेड़ा। इन दिनों सूरज की सीधी किरणों के कारण तापमान काफी बढ़ता चला जा रहा है।तेज लपटों के कारण से आम जनजीवन काफी प्रभावित बना हुआ है। दोपहर 12 बजे के बाद से सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है।आम जनजीवन के साथ साथ पशु पक्षी भी छाया दार वृक्षों के नीचे बैठे देखे जा रहे हैं।देर रात्रि तक गर्म हवाओं के चलते लोग कूलर पंखों का सहारा ले रहे हैं। शनिवार और रविवार को दोपहर एक बजे के बाद से तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सद्गुरु विद्या पीठ में होंगे विविध आयोजन

तेंदूखेड़ा । सनातन संस्कृति आध्यात्मिक और धार्मिक अनुष्ठान के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने के साथ साथ ब्राह्मण कुल में जन्म लेने वाले छोटे छोटे बच्चों को सनातन की निःशुल्क शिक्षा देकर उन्हें संस्कृति से जोड़ने की दिशा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे सद्गुरु विद्या पीठ संचालक पं चंद्रकांत चौबे के द्वारा भगवान परशुराम जी के प्रकटोत्सव महापर्व पर ब्राह्मण महासभा के साथ साथ समाज के हर वर्ग के द्वारा पूजन अर्चन किया जायेगा। तथा वृहद स्तर पर भोजन प्रसादी की भी व्यवस्था की गई है।स्मरण रहे कि यहां पर प्रतिदिन यज्ञानुष्ठान हवनात्मक पूजन कार्य जारी रहते हैं। सद्गुरु विद्या पीठ शिष्य मंडल ने सभी वर्गों के लोगों से उपस्थिति की अपील की है।अक्षय तृतीया पर छोटे छोटे बच्चों में मिट्टी से बनी दूल्हा दुल्हन (पुतरा पुतरियां) उन्हें सुंदर सजावट कर बट वृक्ष के नीचे ले जाकर पूजन करने बडी संख्या में पहुंचा करते हैं। आज बच्चे बड़ी संख्या में बट वृक्षों के नीचे पहुंच कर पूजन अर्चन करेंगे। वहीं घरों में मिट्टी का घड़ा भर कर पूजन करने का भी चलन है।

जैन मिलन शाखा ने गन्ने का रस किया वितरण'

तेंदूखेड़ा अक्षय तृतीया के अवसर पर दिगंम्बर जैन मंदिर परिसर में महिला जैन मिलन शाखा ने पाठशाला के बच्चों के लिए गन्ने के रस का वितरण किया जिसमें शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ प्रकाश जैन राकेश जैन रमेश जैन तिगड्डा अजीत तेदुडावर डा किरण प्रभा जैन आरती जैन महिला मंडल की अध्यक्ष अरुणा जैन सचिव अर्चना स्वदेशी मुक्ता स्वदेशी सुनीता जैन राजश्री जैन मीनू जैन कल्पना स्वदेशी अंजना अहिंसा मनीषा जैन तथा पाठशाला की शिक्षिकाओं और बच्चों की सराहनीय उपस्थिति रही।

प्रशासन की अनदेखी का शिकार हुआ एकांत वन

बदहाल व्यवस्था पर बहा रहा आंसू, लाखों खर्च के बाद परिणाम शून्य

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बीते वर्ष में नगर पालिका प्रशासन द्वारा लाखों रुपये खर्च कर नगर वासियों को एकांत वन की सौगात दी गई थी। एकांत वन को बनाये जाने का उद्देश्य लोगों को प्राकृतिक हवा तथा वन बिहार का मौका मिल सके। लेकिन प्रशासन के गैर जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों की लापरवाही के कारण आज एकांत वन बदहाली के आंसू बहाने के लिये मजबूर है और प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान भी नहीं दे रहे। प्रशासन के अधिकारियों के साथ - साथ नगर के जनप्रतिनिधियों द्वारा भी उक्त कार्य में रुचि नहीं दिखाई जा रही है। जिम्मेदार अधिकारियों की नजर अंदाजी के कारण एकांत वन दुर्दशा का शिकार हो रहा है। एकांत वन से मिलने वाली सुविधाएं लोगों के लिए शून्य है।

आशाओं पर फिरा पानी

कलेक्टर बंगले के पीछे नगर पालिका द्वारा लाखों रुपए खर्च कर एकांत वन का निर्माण कार्य करवाया गया था। एकांत वन निर्माण होने लोगो मे काफी आशाये जागृत हो चुकि थी जिस पर यह माना जा रहा था कि लोग यहां आकर एंकात में बनी शिलाओं पर बैठकर ध्यान लगा सके। सुबह - शाम को पथ मार्ग पर चलकर टहलते हुए घूम सके और बच्चें आकर यहां बने झूलों पर झूलकर आनंद ले सके लेकिन नगरपालिका द्वारा लाखों रुपये खर्च करने के बाद एंकात वन को बदहाल स्थिति में छोड़ दिया गया। जिससे यहां चहुंओर गंदगी फैलने लगी। नगरपालिका द्वारा साफ-सफाई न होने के चलते पथ मार्ग में कचरा व पेड़.के पत्तों ने कब्जा कर लिया और वर्तमान मे यह एकांत वन की जगह गंदगी व मच्छर युक्त जहरीली वन नजर आ रहा है ।

निर्माण कार्य मे नहीं है गुणवत्ता

प्रशासन द्वारा नगर वासियों को एक अच्छी सौगात देने के उद्देश्य से एकांत वन का निर्माण कार्य कराया गया था लेकिन ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य में लीपापोती कर इति श्री कर ली और परिणाम यह हुआ कि दीवार व जाली टूटने के कारण लोगों द्वारा सुबह शाम गंदगी फैलाई जा रही। ठेकेदार द्वारा लगाया हुआ मुख्य द्वार भी टूट गया है। सुविधाओं के अभाव में एकांत वन में एकांत पसरा रहता है। यहां घूमने आने वाले नागरिकों का कहना है कि इस एकांत वन को व्यवस्थित रखा जाए तो यह वन जिले का सबसे चर्चित वन के रूप में जाना पहचाना जायेगा। लेकिन नाम की अपेक्षा लोगों को कुछ भी सुविधाएं एकांत वन मे नही मिल पा रही है।

आखिर कब होगा एकांत वन में शोरगुल

नगर के मध्य मे बनाये गये एकांत वन में शोरगुल कब तक गूंजेगा यह बात भविष्य के गर्त मे समाई हुई है। एकांत वन बनाने का मुख्य उद्देश्य यही था कि सुबह व शाम को लोगो एकांत वन मे भ्रमण कर अपने स्वास्थ्य के साथ - साथ ताजी हवा ले सकें व परिवार को वन का न जारा भी दिखा सकें। उक्त वन का मुख्य लक्ष्य था कि बच्चे व बुजुर्ग एकांत वन मे घूमते व खेलते नजर आयें। पूर्व कलेक्टर व जनप्रतिनिधियों द्वारा शुभारंभ तो किया गया लेकिन दोबारा एकांत वन की ओर रूख नही किया गया। जिसके कारण एकांत वन अव्यवस्था व सुनसान वन होता जा रहा है प्रशासन को चाहिये की अति शीघ्र व्यवस्थायें दुरूस्त कर उसे चालू किया जावे।

मनमोहक स्पॉट के रूप मे हो विकसित

एकांत वन को लेकर लोगों की आशा थी की प्रशासन द्वार अच्छी जगह का चुनाव किया गया है और यह एक मनमोहक स्पॉट के साथ लोगो मोहित करने वाला जिले का अच्छा स्पॉट बन सकता है। प्रशासन व जनप्रतिनिधियों को चाहिए की एकांत वन मे फैली गंदगी को दूर कर उचित सुविधायें लोगो मुहैया कराये तथा स्वच्छ व साफ वातावरण का परिवेश उपलब्ध करायें जिससे प्रेरणा लेकर अन्य नगर पालिका व नगर परिषद भी इस प्रकार के स्थानों का निर्माण करने की सीख ले सकें। अब देखना होगा के प्रशासन इस ओर ध्यान देता है या एकांत वन ज्यों के त्यों बना रहेगा ।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 200 जोड़ों का हुआ विवाह

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह सम्मेलन में सामाजिक समरसता और सादगी का सुंदर उदाहरण देखने को मिला, जहां 200 जोड़ों का विधि-विधान से विवाह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में नवविवाहित जोड़ों को शासन की ओर से निर्धारित सहायता प्रदान की गई, जिससे उनके नए जीवन की शुरुआत सशक्त रूप से हो सके इस अवसर पर मणिनगेन्द्र सिंह फाउंडेशन द्वारा भी सराहनीय पहल की गई। फाउंडेशन की फाउंडर मेंबर सुमनलता पटेल ने सभी नवदंपत्तियों को शुभकामनाएं देते हुए प्रत्येक जोड़े को उपहार भेंट किए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से सामाजिक एकता को बढ़ावा मिलता है और जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहयोग भी मिलता है कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष सुशीला ममार, भाजपा जिला उपाध्यक्ष बीना ओसवाल, नपा उपाध्यक्ष अनीता नेमा, लक्ष्मी श्रीवास्तव वर्धा घारे सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं मातृशक्ति की उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की कामना की

पक्षियों के लिए लगाए सकोरे

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के तत्वाधान में महिलाओं द्वारा दो कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के अंतर्गत शहर के बीच स्थित सदर मड़िया एवं नगर पालिका चैक मंदिर प्रांगण में बेजूवान पक्षियों के लिए सकोरे लगाए गए एवं शहर वासियों से भी अपील की अपने घरों छतों और आसपास के स्थान पर पक्षियों के लिए पानी और दाना अवश्यक रखें यह पहल न केवल सेवा का कार्य है बल्कि जीवों के प्रति करुणा और संवेदनशीलता का एक सशक्त संदेश भी है। दूसरे कार्यक्रम में मां नर्मदा मैया की परिक्रमा करके लौटे परिक्रमावासी संतोष कुमार ठाकुर एवं बलराम कश्यप निवासी तिदन्नी रोड नरसिंहपुर का शाल एवं श्रीफल प्रदान कर स्वागत किया गया उनके द्वारा पांच हजार किलोमीटर मोटरसाइकिल से यात्रा के दौरान संस्मरण सुनाए गए भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट की नरसिंहपुर जिला अध्यक्ष श्रीमती सविता अग्रवाल जिला महासचिव श्रीमती स्वाति जायसवाल जिला मंत्री सुनीता शर्मा एवं जिला उपाध्यक्ष श्रीमती बबीता जाट जिला उपाध्यक्ष श्रीमती अंजलि नितिन नेमा की उपस्थिति रही।

लक्ष्य प्राप्ति के लिए अधिकारियों का भ्रमण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर

मध्य प्रदेश शासन के ऊर्जा विभाग की प्राथमिकता में शामिल समाधान योजना को लेकर जिले में सक्रियता से बिजली विभाग कार्य कर रहा है। यही कारण है कि अधिक से अधिक लोगों को समाधान योजना का लाभ मिले इसके लिए अधीक्षण अभियंता ओर कार्यापालन अभियंता स्वयं जमीन स्तर पर काम कर रहे हैं। दोनों अधिकारी स्वयं मैदान में उतरे हैं। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड नरसिंहपुर व्रत अंतर्गत आने वाले वितरण केन्द्र में लगातार भ्रमण किया जा रहा है। अधीक्षण अभियंता नीलाभ श्रीवास्तव और कार्यापालन अभियंता विवेक जशेले ने स्वयं मोर्चा संभालते हुए एक के बाद एक वितरण केन्द्र में जाकर ओर ग्रामों में जाकर समाधान योजना में अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने हेतु सभी कनिष्ठ अभियंता ओर सहायक अभियंता वितरण केंद्र स्टाफ की समीक्षा बैठक कर लक्ष्य निर्धारित किया है। जिन वितरण केन्द्र की समाधान योजना अंतर्गत प्रोग्रेस निम्न स्तर पर है उन वितरण केन्द्र प्रभारियों को अंतिम चेतावनी दी जा रही है एक सप्ताह में सुधार परिलक्षित नहीं होता तो कार्यवाही हेतु तैयार रहें।

शौचालय का किया गया जीर्णोद्धार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। लाडो अभियान की ब्रांड एंबेसडर मैमूना खान एवं आमिर खान द्वारा अपनी छात्रवृत्ति एवं जेब खर्च के पैसों से वर्ष 2016 में स्थानीय शासकीय कन्या महारानी लक्ष्मी हायर सेकेण्डरी स्कूल में शौचालय का निर्माण कराया गया था। यह प्रेरणा उन्हे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिली थी। कुछ वर्ष तक शौचालय ठीक रहा वही क्षतिग्रस्त होने पर विद्यालय प्रबंधन द्वारा जीर्णोद्धार नही कराया गया और स्कूल प्रबंधन की लापरवाही के चलते चोरों ने दरवाजे ही चुरा लिए मैने स्कूल प्रबंधन का ध्यान आकर्षित कराया तो बात नहीं बनी जिस पर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग नई दिल्ली के सदस्य अपने मुख्य कार्यालय में सूचना दी तब राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने संज्ञान लिया और कलेक्टर नरसिंहपुर को जीर्णोद्धार के लिए कहा गया। तब कलेक्टर ने तत्काल शौचालय का जीर्णोद्धार करवा दिया।

अवैध परिवहन करने पर दो ट्रैक्टर- ट्रॉली जब्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण की रोकथाम के लिए कार्यवाही की जा रही है। जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में दिये गये निर्देशों के पालन में खनिज विभाग द्वारा सघन निरीक्षण कर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में निरीक्षण के दौरान खनिज विभाग ने एक ट्रैक्टर ट्राली खनिज मिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए पाये जाने पर प्रकरण तैयार कर वाहन को थाना कोतवाली नरसिंहपुर की अभिरक्षा में रखा गया। इसी प्रकार ग्राम इमझिरा के पास एक ट्रेक्टर ट्रॉली को खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुये पाये जाने पर प्रकरण तैयार कर वाहन को पुलिस थाना तेंदूखेड़ा की अभिरक्षा में रखा गया।

व्यापारी को मारी चाकू, दुकान पर की तोड़फोड़

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली अंतर्गत एक दुकानदार पर चाकू से हमला किया गया है। यह घटना शनिवार रात करीब 9 बजे जनपद मैदान स्थित शराब दुकान के पास हुई। पीड़ति मुरारी कहार अपनी नमकीन की दुकान पर बैठे थे, तभी इतवारा बाजार निवासी अनिल कतिया वहां पहुंचा। अनिल ने पुराने विवाद को लेकर मुरारी से झगड़ा शुरू कर दिया। आरोप है कि विवाद के दौरान आरोपी ने दुकान पलट दी और मुरारी कहार के पेट में चाकू घोंप दिया। पीड़ति मुरारी कहार ने बताया कि आरोपी अनिल कतिया अक्सर शराब पीने के लिए पैसे मांगता था और लंबे समय से उनके परिवार को परेशान कर रहा था। मुरारी के अनुसार, आरोपी पिछले 4-5 वर्षों से उनकी बेटी को भी परेशान कर रहा था, जिसके कारण दोनों पक्षों के बीच पहले भी कई बार विवाद हो चुके हैं। मुरारी कहार ने यह भी बताया कि करीब 6-8 महीने पहले भी दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई थी, जिसमें उन्हें और अनिल कतिया दोनों को चोटें आई थीं। पीड़ति के अनुसार, हमले के दौरान आरोपी ने उन्हें धमकी देते हुए कहा, हमारी शादी करवाओ, नहीं तो तुम्हें और तुम्हारे बेटे को घर में मार देंगे।

जय श्री राम-राम रामेति रामेति, रमे रामे मनोरमे सहस्त्रनाम ततुल्यं राम नाम वरानने

गोटेगांव। श्री राम भक्त हनुमान जी के चरणों में समर्पित संगीतमय महाआरतीश्रीधाम - श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर मे बजरंग सेना नर्मदाखंड महाआरती समिति के तत्वाधान में श्री रामभक्त हनुमान जी की महाआरती पं.दीपक तिवारी जी के आचार्यत्व में पूर्ण वैदिक मंत्रोच्चारण व विधि विधान के साथ मनीष नेमा जी की सुपुत्री आन्या नेमा के द्वारा पूजन अर्चन किया गया संकट मोचन जी को मगज के लड्डू व प्रिय भोग गुड,चना ओर फल का भोग अर्पित कर भक्तों में प्रसाद वितरण किया गया इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालु जनों द्वारा सामूहिक रूप से श्री राम स्तुति श्री हनुमान चालीसा श्री हनुमान जी की महाआरती का गायन किया गया। गौरतलब है कि श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर महाआरती समिति द्वारा प्रत्येक शनिवार को संकट मोचन जी की संगीतमय महाआरती छठवें वर्ष के प्रवेश पर एवं 331 वें सप्ताह से निरंतर जारी हे साप्ताहिक संगीतमय महाआरती के पश्चात समिति की भजन मंडली के सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से भजनों की अनुपम प्रस्तुति की गई जिसमें अखिलेश सोनी,धर्मेंद्र चौबे सुशील दुबे सालक राम साहू विद्याचरण पाराशर एस एस ठाकुर श्यामाचरण झरिया मेहरा मुकेश सोनी पंकज नोरिया विजेंद्र ठाकुर एवं सहयोगियों के द्वारा महाआरती संपन्न हुई इस अवसर पर इनकी रही उपस्थिति नर्मदा प्रसाद गुप्ता रघुनाथ राय दीपक सराठे मयंक शर्मा निहाल अग्रवाल दीपक सोनी मुकेश ठाकुर नीरज नेमा बसंत दुबे सुरेश ठाकुर नंदू गुप्ता दिनेश दुबे बजेश श्रीवास्तव मनोज नामदेव मनीष नेमां नवीन सोनी कैलाश गुप्ता बसंत दुबे विनोद साहू मनीष साहू अभिषेक दुबे बृजेश शिवकुमार विश्वकर्मा मुकेश चढार मुकेश ठाकुर बटुक सेवक अक्षत सराठे स्नेहलता श्रीवास्तव पुष्पा गुप्ता मंजुला गुप्ता शशि नेमा आरती नेमा नीलू नेमा सृष्टि नेमा श्रेया नेमां नेहा शर्मा भारती पटेल रजनी लोधी रश्मि लोधी अंजना उपाध्याय प्रिया चौरसिया प्रेमवती सोनी प्रीति मिली सोनी वंशिका पटेल रेखा पटेल रागिनी पटेल सरोज सोनी इमरती बाई अनीता साहू संगीता गुप्ता दमयंती विश्वकर्मा निशा शर्मा गीता पचौरी अंजना उपाध्याय संध्या विश्वकर्मा भारती लोधी भाग्यश्री लोधी संगीता नौरिया रत्नबाई विश्वकर्मा मीणा दुबे सावित्री पटेल अमिता दुबे राधिका वैष्णव शंकरी देवी चौहान,प्रीति ठाकुर, कमला रजक राशि रजक प्रीति भारद्वाज,लीलावती पटेल देवका बाई सीमा पटेल रोशनी ठाकुर अदिति दुबे श्रद्धा पटेल,श्रीनिधि मिश्रा,गायत्री बाई श्रद्धा गुप्ता,अनुराधा नेमा,आरती चौरसिया,प्रीति पचौरी लीलावती पटेल एवं नन्हे मुन्ने बच्चों की उपस्थिति रही मुकेश ठाकुर के पुत्र अनुज ठाकुर ने जो प्रत्येक शनिवार दादाजी की सेवा में समर्पित भाव से पूजन-पाठ करने वाला संस्कारी बालक है, उसने कक्षा 12वीं में 90% अंक प्राप्त कर परिवार का नाम गर्व से ऊँचा किया है।" बालक श्री देव मुरलीधर स्कूल का विद्यार्थी हैहनुमान जी की कृपा सभी पर बनी रहे

ऊमर नदी पुल निर्माण में सुरक्षा नियमों की अनदेखी, हादसे का खतरा

गोटेगांव। नरसिंहपुर मार्ग पर निर्माणाधीन ऊमर नदी पुल और सड़क कार्य में सुरक्षा मानकों की अनदेखी से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।विस्तार:ग्राम पंचायत मल्लाह पिपरिया में चल रहे पुल और कंक्रीट सड़क निर्माण कार्य में निर्माण एजेंसी द्वारा सुरक्षा उपायों को नजरअंदाज किया जा रहा है। स्थल पर न तो चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं और न ही किसी प्रकार की बैरिकेडिंग की गई है।यह मार्ग अत्यंत व्यस्त है, जहां दिनभर भारी वाहनों और राहगीरों की आवाजाही रहती है। बावजूद इसके सुरक्षा गार्ड या यातायात नियंत्रण की कोई व्यवस्था नहीं है।शाम के समय स्थिति और खतरनाक हो जाती है, क्योंकि पर्याप्त रोशनी के अभाव में सड़क पर पड़ी सामग्री और गड्ढे दिखाई नहीं देते।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि तुरंत संकेतक, बैरिकेडिंग और प्रकाश की व्यवस्था की जाए, ताकि संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

युवक के साथ मारपीट, चार आरोपियों पर मामला दर्ज

गोटेगांव । पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर चार आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।विस्तार:घटना बालाजी धाम कॉलोनी की है, जहां मुरलीधर वार्ड निवासी कार्तिक राय को आरोपियों ने फोन कर घर से बाहर बुलाया। जैसे ही वह उनके साथ कॉलोनी पहुंचा, आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया।बताया गया कि श्रेष्ठ बिलबार ने कुल्हाड़ी से सिर पर वार किया, जिससे गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। वहीं शुभ चौरसिया ने लोहे की रॉड से हमला किया, जिससे कंधे और कोहनी में चोट आई। अन्य आरोपी हरि सोनी और जय सोनी ने लात-घूंसों से मारपीट कर युवक को घायल कर दिया।घटना के दौरान मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर युवक को बचाया। जाते समय आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चलती ट्रेन से गिरा व्यक्ति हुई मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। रविवार अलसुबह एक चलती एक्सप्रेस ट्रेन से गिरकर एक मजदूर की मौत हो गई। यह हादसा कोल्हापुर से धनबाद जा रही ट्रेन में कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम कठोतिया के पास रेलवे ट्रैक पर सुबह करीब 4: 30 बजे हुआ। मृतक की पहचान झारखंड के हजारीबाग जिले के ग्राम बभनी निवासी 32 वर्षीय अर्जुन पिता अकला मंझी के रूप में हुई है। वह अपने साले वीरेंद्र और 7-8 अन्य साथियों के साथ कोल्हापुर-धनबाद एक्सप्रेस के जनरल कोच में यात्रा कर रहा था। कोच में अत्यधिक भीड़ होने के कारण अर्जुन गेट के पास बैठकर सफर कर रहा था। इसी दौरान नींद का झोंका आने से वह अपना संतुलन खो बैठा और सीधे पटरी पर जा गिरा। अर्जुन को गिरता देख कोच में हड़कंप मच गया। उसके साथियों ने तुरंत चेन खींचकर ट्रेन रुकवाई और नीचे उतरे, लेकिन तब तक अर्जुन की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। इस हादसे के कारण ट्रेन लगभग 10 मिनट तक रुकी रही। मृतक के साले वीरेंद्र ने बताया कि वे सभी कोल्हापुर में सड़क और पुल निर्माण कार्य में लोहे के सरिए, शटरिंग, बाइंडिंग का काम करते थे।
अर्जुन की पत्नी और दो छोटे बच्चे घर पर उसका इंतजार कर रहे थे, जिन्हें अब इस दुखद खबर की सूचना दी गई है।
पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पंचनामा और पोस्टमार्टम कराया है। इसके बाद शव परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया की जा रही है।